

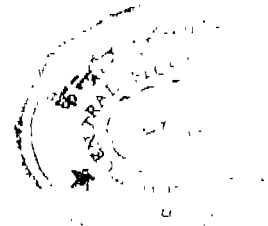


# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्रधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 381]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 6, 1990/आषाढ़ 15, 1912

No. 381]

NEW DELHI, FRIDAY, JULY 6, 1990/ASADHA 15, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

घित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बोमा प्रमाण)

आयुक्त

नई दिल्ली, 6 जुलाई, 1990

क्र. आ. 542 (अ).—केन्द्रीय सरकार अध्यापन बोमा आरक्षण  
(राष्ट्रीयकरण) अधिनियम, 1972 (1972 का 57) की धारा 17क  
द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अध्यापनबोमा (पर्यवेक्षी, लिपिकारी  
और अधीनस्थ कर्मचारियों के वेतनमानों और सेवा की अन्य शर्तों का  
सुव्यवस्थापन और पुनरोक्षण) स्कीम, 1974 का और संशोधन करने के  
लिए निम्नलिखित स्कीम बनाती है, अर्थात्:—

1. इस स्कीम का उद्देश्य तम अध्यापन बोमा (पर्यवेक्षी, लिपिकारी  
और अधीनस्थ कर्मचारियों के वेतनमानों और सेवा की अन्य शर्तों का  
सुव्यवस्थापन और पुनरोक्षण) द्वितीय संशोधन स्कीम, 1990 है।

2. अध्यापन बोमा पर्यवेक्षी, लिपिकारी और अधीनस्थ कर्मचारियों के  
वेतनमानों और सेवा की अन्य शर्तों का सुव्यवस्थापन और पुनरोक्षण।

स्कीम, 1974 (जिसे इसमें दश प्रतिशत उच्च स्कोर कहा गया है) के  
द्वारा लक्ष के पश्चात् निम्नलिखित शर्तें स्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“6. कर्मचारियों का वेतन और शर्तें और 1 जनवरी, 1990  
से मूल वेतन का नियत किया जाता—ऐसे प्रत्येक कर्मचारी का मूल वेतन  
असका वेतनमान अध्यापन बोमा (पर्यवेक्षी, लिपिकारी और अधीनस्थ  
कर्मचारियों के वेतनमान और सेवा की अन्य शर्तों का सुव्यवस्थापन)  
द्वितीय संशोधन स्कीम, 1990 द्वारा पुनरीक्षित किया गया है,  
इस प्रकार पुनरीक्षित संशोधित वेतनमान के तत्पश्चात् प्रथम पर,  
यथास्थिति, 1 जनवरी, 1990 का उप-पैरा (6) और (7) और  
पैरा (8) के उद्देश्य, जहाँ गत हो 11. मूल वेतन और शर्तें मूल  
नियम करने समय वही शर्तें लागू होंगी जिन वे तब पैरा (6) में निर्दिष्ट  
कर्मचारियों का दशा में ऐसे मामलों के संबंध में लागू होंगे हैं।

3. उक्त स्कीम की पाँचवीं अनुसूची में,—

(क) मध्य “1. संशोधित वेतनमान (मूल वेतन)”,—

(i) “क-पर्यवेक्षी और लिपिकारी कर्मचारियों” शीर्षक के नीचे  
“उपमर्द (4) और (5)” के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा

और 1 जनवरी, 1990 से रखा गया समझा जाएगा, अर्थात्:—

“(4) सहायक, टाईपिस्ट, टेलीफोन ऑपरेटर, डेक्कन ऑपरेटर, स्टांगनकर्ता, पंच-कार्ड ऑपरेटर, यूनिट रिहाई मशीन ऑपरेटर, कांस्टिस्ट और अन्य समस्त पद:

1000-50-1050-60-1170-70-1450-80-1930-100-  
2030-110-2140-120-2500-240-2740-120-2860 रु.

(5) अधिलेख लिपिक :

930-35-1000-40-1200-50-1500-60-1800-70-  
2010 रु.)

(ii) “अधोनस्थ कर्मचारिवृद्ध” शीर्षक के नीचे, उपमद (2) के स्थान पर, निम्नलिखित रखा जाएगा और 1 जनवरी, 1990 से रखा गया समझा जाएगा, अर्थात्:—

“(2) अन्य अधोनस्थ कर्मचारिवृद्ध :

816-26-840-35-1260-40-1380-45-1470-50-1520

(ख) मद iii—सहगाई भत्ता में, शरणों में “सहगाई भत्ते की दर” शीर्षक के नीचे, अधोनस्थ कर्मचारिवृद्ध से भिन्न सभी कर्मचारियों से प्रारंभ होने वाले, और “2850 रुपए से अधिक मूल वेतन का 0.33 प्रतिशत” से समान होने वाले भाग के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा और 1 अगस्त, 1987 से रखा गया समझा जाएगा, अर्थात्:—

“अधोनस्थ कर्मचारिवृद्ध से भिन्न सभी कर्मचारियों के मूल वेतन

(i) 2500 रुपए तक ] मूल वेतन का 0.67 प्रतिशत।

(ii) 2500 रुपए से अधिक ] 2500 रुपए का 0.67 प्रतिशत धन  
2500 रुपए से अधिक मूल वेतन  
का 0.55 प्रतिशत।”

(ग) मद “iv—तकनीकी अर्हताओं के लिए भत्ता” में निम्नलिखित जोड़ा जाएगा और 1 जुलाई, 1990 से अंश में जोड़ा गया समझा जाएगा, अर्थात्:—

“अधिकतम वेतनमान पर पहुंचने के पश्चात् एक राई का भत्ता पूरी कर लेने पर ऐसे कर्मचारियों पूर्ण दर के आधे से अधून का अर्हता भत्ता प्राप्त करेगा और एक वर्ष की और सेवा के पश्चात् उक्त अर्हता भत्ता पूर्ण रूप से संवेत किया जाएगा।”

(घ) मद “V स्नातक भत्ता” में उपमद (1) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा और 1 जुलाई, 1990 से रखा गया समझा जाएगा, अर्थात्:—

“(1) सहायक के वेतनमान में कर्मचारियों को स्नातक वेतन-वृद्धि/भत्ते (क) ऐसे किसी कर्मचारी को जिसे मशरक के वेतनमान वाले किसी पद पर नियुक्त या पारित किया जाता है और वह 1 जनवरी, 1973 को या उसके पश्चात् किसी मान्यता-प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक के रूप में अर्जित हो जाता है और वह अधिकतम वेतनमान पर नहीं पहुंचता है, परीक्षा के परिणामों के प्रकाशन की तारीख से या 1 जुलाई, 1990 या सहायक के वेतनमान में नियुक्ति की तारीख से, इनमें से जो भी बाद में हो, वेतनमान में दो वेतन-वृद्धियां मंजूर की जाएंगी परन्तु यह तब जबकि उमने ऐसे स्नातक के रूप में अर्हता होने के लिए स्नातक वेतन-वृद्धियां या अर्हता वेतन या नियुक्ति पर कोई अग्रिम बतन वृद्धि, भूतपूर्व सैलियों को रो गई उपलब्धियों/रक्षण से अन्यथा पहले हो प्राप्त नहीं कर ली है।

परन्तु यदि स्नातक के लिए वेतन वृद्धि के लिए हकदार कोई कर्मचारी 2740 रुपए का मूल वेतन-प्रदत्त भार रखा है तो उसे स्नातक के लिए केवल एक वेतन वृद्धि मंजूर की जाएगी।

(ख) सहायक के वेतनमान में कोई ऐसा कर्मचारी जो किसी मान्यता-प्राप्त विश्वविद्यालय का स्नातक है और जो अधिकतम वेतनमान पर पहुंच चुका है, उसके अधिकतम वेतनमान पर पहुंचने के एक वर्ष पश्चात् या 1 जुलाई, 1990 से, इनमें से जो भी बाद में हो, 65 रुपए प्रतिमास का स्नातक भत्ता दिया जाएगा और एक वर्ष की और सेवा के पश्चात् 65 रुपए का उक्त स्नातक भत्ता बढ़ाकर 130 रुपए प्रतिमास कर दिया जाएगा।

स्पष्टीकरण:—इस उपमद के प्रयोजनों के लिए, (i) “मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय” से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त कोई विश्वविद्यालय अभिप्रेत है;

(ii) सहायक के वेतनमान में कर्मचारियों को संवेत स्नातक भत्ता मूल वेतन का भाग नहीं माना जाएगा।

परन्तु उक्त स्नातक भत्ते के 60 प्रतिशत की गणना गृह किराया भत्ता, भविष्य निधि उपदान और उच्चतर काइर में प्रोवन्सि पर उपयुक्तता के प्रयोजनों के लिए की जाएगी।”।

[फा. सं० 2(19)/इनप-3/90]

एन. आर. रंगानाथन, विशेष सचिव

स्पष्टीकारक भाषण

केन्द्रीय सरकार ने भारतीय साधारण बीमा निगम और समनुषंगी कंपनियों के कर्मचारियों की बाबत कुछ वेतनमानों और सेवा की शर्तों की मूलभूत प्रभाव से विभिन्न तारीखों से पुनरीक्षण करने के लिए अनुमोदन प्रदान कर दिया है। तदनुसार, साधारण बीमा (पर्यवेक्षी, लिपिकीय और अधोनस्थ कर्मचारिवृद्ध के वेतनमानों और सेवा की अन्य शर्तों का सुव्यवस्थीकरण और पुनरीक्षण) स्कोम, 1974 का संशोधन किया जा रहा है।

2. यह प्रमाणित किया जाता है कि भारतीय साधारण बीमा निगम या उसकी समनुषंगी कंपनियों के किसी कर्मचारी पर अधिसूचना की भूतपूर्व प्रभाव किए जाने से प्रतिकूल प्रभाव पहुंचने की संभावना नहीं है। टिप्पण: मूल स्कोम, अधिसूचना सं. का. आ. 326 (अ) तारीख 27 मई, 1974 के द्वारा प्रकाशित की गई थी।

बाद में अधिसूचना सं. का. आ. 47: (घ), तारीख 5-9-1975, 5415 तारीख 22-12-1975, 390 (अ) तारीख 1-6-1976, 4455 तारीख 11-11-1976, 2443 तारीख 30-7-1977, 1046 तारीख 29 मार्च, 1978, 1049 तारीख 29 मार्च, 1978, 1410 तारीख 26 अप्रैल, 1978, 3429 तारीख 16 नवम्बर, 1978, 314 (अ) तारीख 13 मई, 1980, 827 (अ) तारीख 30 नवम्बर, 1980, 729 (अ) तारीख 21 नवम्बर, 1984, 769 (अ) तारीख 15 अक्टूबर, 1985, 884 (अ) तारीख 9 दिसम्बर, 1985, 729 (अ) तारीख 3 अक्टूबर, 1986, 441 (अ) तारीख 27 अप्रैल, 1987, 1039 (अ) तारीख 7 दिसम्बर, 1987, 780 (अ) तारीख 22 अगस्त, 1988, 783 (अ) तारीख 22 अगस्त, 1988, 1160 (अ) तारीख 9 दिसम्बर, 1988, 180 (अ) तारीख 10 मार्च, 1989, का. आ. 336 (अ) तारीख 12 मई, 1989 और का. आ. 405 (अ) तारीख 24-5-1990 द्वारा संशोधित की गई।

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Insurance Division)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 6th July, 1990

S.O. 542(E).—In exercise of the powers conferred by section 17A of the General Insurance Business (Nationalisation) Act, 1972 (57 of 1972), the Central Government hereby frames the following Scheme further to amend the General Insurance (Rationalisation and Revision of Pay Scales and other Conditions of Service of Supervisory, Clerical and Subordinate Staff) Scheme, 1974, namely :—

1. This Scheme may be called the General Insurance (Rationalisation and Revision of Pay Scales and other Conditions of Service of Supervisory, Clerical and Subordinate Staff) Second Amendment Scheme, 1990.

2. In the General Insurance (Rationalisation and Revision of Pay Scales and other Conditions of Service of Supervisory, Clerical and Subordinate Staff) Scheme 1974 (hereinafter referred to as the said Scheme), after Paragraph 6B, the following shall be inserted, namely :—

“6C. Pay and Allowances of employees and fixation of basic salary with effect from 1st January, 1990.—The basic salary of every employee whose scale of pay has been revised by the General Insurance (Rationalisation of Pay Scales and other Conditions of Service of Supervisory, Clerical and Subordinate Staff) Second Amendment Scheme, 1990 shall be fixed with effect from the 1st day of January, 1990 or the date of his appointment, as the case may be, as the corresponding stage in the respective scale of pay as so revised and the provisions of sub-paragraphs (6) and (7) of paragraph 4 and paragraph 6B shall apply, so far as may be, while fixing basic salary and payment of allowances as they apply in relation to such matters in the case of employees referred to in those paragraphs.”

3. In the Fifth Schedule to the said Scheme,—

(a) in item “I AMENDED SCALE OF PAY (BASIC SALARY)” ,—

(i) under the heading “A-Supervisory and Clerical Staff”, for sub-items (4) and (5), the following shall be substituted and shall be deemed to have been substituted with effect from 1st day of January, 1990, namely :—

“(4) Assistant, Typist, Telephone Operator, Telex Operator, Receptionist, Punch Card Operator, Unit

Record Machine Operator, Comptist, and other equivalent positions :—

Rs. 1000-50-1050-60-1170-70-1450-80-1930-100-2030-110-2140-120-2500-240-2740-120-2860.

(5) Record Clerk :

Rs. 930-35-1000-40-1200-50-50-1500-60-1800-70-2010.”;

(ii) under the heading “B. Subordinate Staff” for sub-item (2), the following shall be substituted and shall be deemed to have been substituted with effect from the 1st day of January, 1990, namely :—

“(2) Other Subordinate Staff :

Rs. 815-25-840-35-1260-40-1380-45-1470-50-1520.”;

(b) in item III—Dearness Allowance, in the Table under the heading “Rate of Dearness Allowance”, for the portion beginning with “All employees other than Subordinate Staff, and ending with “in excess of Rs. 2850|—”, the following shall be substituted and shall be deemed to have been substituted with effect from the 1st day of August, 1987, namely :—

“All employees other than Subordinate Staff Basic Salary

(i) Upto Rs. 2500|— 0.67% of basic Salary.

(ii) Exceeding Rs. 2500|— 0.67% of Rs. 2500|— plus 0.55% of basic salary in excess of Rs. 2500|—.”;

(c) in item “IV. ALLOWANCE FOR TECHNICAL QUALIFICATIONS”, the following shall be added and shall be deemed to have been added at the end with effect from the 1st day of July, 1990, namely :—

“Such employee in completion of service of one year after reaching the maximum of the scale shall receive the qualification allowance amounting to not less than one-half of the full rate and after a further service of one year, the said qualification allowance shall be paid in full.”;

(d) in item “V. GRADUATION ALLOWANCE”, for sub-item (1), the following be substituted and shall be deemed to have been substituted with effect from the 1st day of July, 1990, namely :—

“(1) GRADUATION INCREMENTS/ALLOWANCE TO EMPLOYEES IN THE SCALE OF ASSISTANT :

(a) An employee who is appointed or promoted to any post in the scale of Assistant and who has qualified as a Graduate of a recognised University on or after the 1st

day of January 1973, and has not reached the maximum of the scale shall be granted two increments in the scale with effect from the date of publication of results of the examination or the 1st day of July, 1990, or the date of appointment in the scale of Assistant, whichever is later, provided he has not already received graduation increments or qualification pay for having qualified as such graduate or any advance increments on appointment, otherwise than by way of protection of emoluments granted to ex-servicemen :

Provided that if an employee entitled to increments for graduation is drawing basic salary of Rs. 2740/-, only one increment for graduation shall be granted to him.

- (b) An employee in the scale of Assistant who is a graduate of a recognised University and has reached the maximum of the scale shall be paid graduation allowance of Rs. 65/- per month one year after he has reached the maximum of the scale or with effect from the 1st day of July, 1990, whichever is later and after a further service of one year the said graduation allowance of Rs. 65/- shall be increased to Rs. 130/- per month.

**EXPLANATION.**—For the purposes of this sub-item; (i) “recognised University” shall mean a University recognised by the University Grants Commission.

(ii) Graduation allowance payable to employees in the scale of Assistant shall not be treated as part of basic salary:

Provided that 60% of the said Graduation allowance shall count for the purpose of House Rent Al-

lowance, Provident Fund, Gratuity and Fitment on promotion to the higher cadre.”.

[F. No. 2(19)|Ins. III|90]

N. R. RANGANATHAN, Spl. Secy.

#### EXPLANATORY MEMORANDUM

The Central Government has accorded approval to revise from different dates with retrospective effect certain scales of pay and conditions of service in respect of the employees of the General Insurance Corporation of India and Subsidiary companies. The General Insurance (Rationalisation and Revision of Pay Scales and other Conditions of Service of Supervisory, Clerical and Subordinate Staff) Scheme, 1974 is being amended accordingly.

2. It is certified that no employee of General Insurance Corporation of India or its subsidiary Companies is likely to be affected adversely by the notification being given retrospective effect.

Note : The Principal Scheme was published vide Notification No. S.O. 326(E) dated 27th May, 1974.

Subsequently amended by Notification No. S. O. 472(E), dated 5th September 1975, 5415 dated 22nd December, 1975, 390(E) dated 1st June, 1976, 4466 dated 11th November, 1976, 2443 dated 30th July, 1977, 1046 dated 29th March, 1978, 1049 dated 29th March, 1978, 1410 dated 26th April, 1978, 3429 dated 16th November, 1978, 314(E) dated 12th May, 1980, 827(E) dated 30th September, 1980, 729(E) dated 21st September, 1984, 769(E) dated 15th October, 1985, 884(E) dated 9th December, 1985, 729(E) dated 3rd October, 1986, 441(E) dated 27th April, 1987, 1039(E) dated 7th December, 1987, 780(E) dated 22nd August, 1988, 783(E) dated 22nd August, 1988, 1160(E) dated 9th December, 1988, 180(E) 10th March, 1989, S.O. 356(E) dated 12th May, 1989 and S.O. 405(E) dated 24-5-1990.